दरवाजा

जव एक दरवाजा बन्द होता है कई नये और खुलते हैं यह कहावत है।
दुनिया का सब से बडा दरवाजा बुलन्द दरवाजा फतेहपुर सीकरी आगरा के पास भारत में हैं। जो अकबर ने वनबाया था । सबसे छोटा कहां होगा कहना मुश्किल है । पर कुछ अमीर लोग आधे नाप के दरवाजे अपने बच्चो के खेल-घरो मे लगाते हैं वे शायद सबसे छोटे दरवाजे हों । एक बात आप जानते ही होगें कि पुराने भारत मे दरवाजे आदमी के कद से छोटे नाप के होते थें जिससे लोगों को झुक कर अन्दर बाहर जाना पड़ता था ताकि वह घमन्डी न हो जाये । यह उस समय के शिष्टाचार में विनम्रता का प्रतीक रहा होगा या फिर रहने वालों की सुरक्षा की दृष्टिसे यह जरुरी रहा होगा ।
अब दरवाजे के बारे में जरा विस्तार से इस कहावत पर ध्यान दें कि आदमी अपनी दीवारें अपने आप बनाता है। जब दीवारें अपने आप बनाते हैं तो दरवाजे कहां और कैसे लगाने है अपने घरोंदौ में वह भी खुद तय करते हैं। जिस तरह जब एक दरवाजा बन्द होता है कई दरवाजे नये खुल जाते हैं इसी तरह चाहे कितने ही दरवाजे बन्द हो जाये पर आदमी को अपने दिमाग के दरवाजे हमेशा खुले रखने चाहियें ।
ये कहावतें बहुत ही महत्वपूर्ण बात हमे सिखाती हैं कि जब जब हमे लगता है कि किसी समस्या को हल करने का एक रास्ता बन्द हो गया या एक जरिया आमदनी का बन्द हो जाने पर कई नये आयाम सामने आ जाते हैं। जरूरत है तो सिर्फ जागरुक रहने की और सकारात्मक सोचने की ।
महत्वपूर्ण बात यह होती है कि जो भी निर्णय हम लें बहुत सोच विचार करने के बाद, और फिर उसको पूरा करने में हम अपना शत प्रतिशत लगा दें ताकि असफलता की कहीं कोई गुंजाइश ना रह पाये ।
अकल बड़ी या भैंस? दरबाजा उन दोनो से बड़ा होता हैं जिसमे से भैंस भी चली जाये व अकल भी पास हो जाती हैं । हाँ दरवाजा खुला रखने की आवश्कता है यानि अपने दृष्टिकोण को कहो कि सकारात्मक हो। हाँ नाकारात्मक रक्खा तो मतलव दरवाजा बन्द ही रहेगा ।
भारत मे एक जगह ऐसी है, शनिदेव महाराज का गावँ, जो महाराष्ट मे हे जहाँ लोग दरवाजों में ताला भी नहीं लगातें हैं ।यही स्थिति पूरे भारत में थी अग्रेंजो के भारत आने से पहले चाहें तो मैकाले की रिपोर्ट को देखें जो उसने क्वीन विक्टोरिया को लिखी थीं । अब हर शहर मे लोग तालो पर ताला लगाते हैं । मुम्बई मे मुख्य दरवाजों पर कम से कम तीन ताले या उपकरण लगे होतें हैं । ताले चोरों को दूर रखने के लिये नहीं होते हैं पर उचक्कों को नाकाम करने के लिये होते हैं जो समय को भाप कर हाथ साफ करते हैं । एसा कोई ताला नहीं है जो चोर न खोल पायें । हालाकिं डरवाजो को खुला रखने का कोई औचित्य नहीं हैं पर बहुत ज्यादा चिन्तित भी नहीं होना चाहियें दरवाजो को लेकर, वरना ध्यान रहे कि दरवाजो के बजाय ताला कहीं आपके दिमाग में न लग जाये ओर आपका सम्पूर्ण नजरिया ही नकारात्मक न हो जाये ।
यह मानी हुई बात है कि जब किसी के लिये सारे दरवाजे बन्द हो जाते हैं तो एक दरवाजा फिर भी खुला रहता है वह है धर्म का दरवाजा । उ र रोहतगी स रा अ